प्रारुप–26

कार्य का नाम :– जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकास खण्ड रिखणीखाल में देवियोखाल –डाबरीसैण – डाबरीपल्ली –मुगयाखाल तक मोटर मार्ग का निर्माण। लम्बाई (4.00) किमी0।

भू–वैज्ञानिक की आख्या

प्रस्तावित स्थल की भू–वैज्ञानिक द्वारा निर्गत अद्यतन निरीक्षण आख्या प्राप्त कर संलग्न की गई है।

कनिष्ठ अभियता प्रा0ख0,लो0नि0वि0, लैन्सडौन गढ़वाल	सहायक अभियन्ता प्रा0ख0, लो0नि0वि0, लैन्सडौन गढ़वाल	अधिशासी अभियन्ता प्रा0ख0लो0नि0वि0 लैन्सडौन गढ़वाल

प्रारूप – 33

(60)

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 80/2519/12

जनपद पौड़ी गढवाल में देवियोखाल–डाबरीसैण–डाबरीपल्ली–मुगयाखाल मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

जनवरी 2013

छायाप्रति सत्यापित

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय ख० लो० नि० वि०
लैन्सडौन (गढ़वाल)

जनपद पौड़ी गढवाल में देवियोखाल–डाबरीसैण–डाबरीपल्ली–मुगयाखाल मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग लैन्सडाऊन के अन्तर्गत 4.00 कि0मी0 लम्बाई में देवियोखाल–डाबरीसैण–डाबरीपल्ली–मुगयाखाल मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, लैन्सडाऊन के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 18.10. 2012 को सम्बंधित अपर सहायक अभियन्ता श्री सुरेश कुमार के साथ निरीक्षण किया गया।

2. राज्य योजना के अन्तर्गत देवियोखाल– डाबरीसैण–डाबरीपल्ली–मुगयाखाल मोटर मार्ग का 4.00 कि0मी0 लम्बाई में निर्माण कार्य (प्रथम चरण) स्वीकृत है। मार्ग निर्माण हेतु खण्ड द्वारा दो समरेखनों पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है। समरेखन संख्या दो में अधिक हेयर पिन बैण्ड्स एवं स्थानीय ग्रामवासियों की असहमति को देखते हुये प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग लैन्सडाऊन द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित समरेखन देवियोखाल–चुंडई–रिखणीखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 39 से मुगयाखाल नामक स्थान से खड्ड साईड में आरम्भ होता है। निर्धारित लम्बाई में यह समरेखन डाबरीपल्ली के तोको से होता हुआ डाबरीपल्ली राजकीय इंटर कालेज के समीप समाप्त होता है। मार्ग के प्रस्तावित टेक आफ प्वांइट पर पहाडी ढलान तीव्र है। अवगत कराया गया कि समरेखन नाप भूमि एवं ग्राम पंचायत भूमि से होकर गुजरता है। डाबरीपल्ली गांव से कुछ पूर्व तक पहाडी ढलान अपेक्षाकृत तीव्र है, जबकि गांव में व उसके पश्चात भूमि का ढलान सरल है। समरेखन में दो हेयर पिन बैण्ड्स प्रस्तावित है, जो डाबरीपल्ली गांव में नाप भूमि में क्रमशः क्रास सैक्शन 2/17 एवं 2/22 में दिये गये हैं। बैण्ड्स अपेक्षाकृत पास–पास है। समरेखन क्षेत्र में फिलाईट उवं सैण्डी फिलाईट चट्टान है, एवं स्थान–स्थान पर इनके ऊपर मिट्टी/डेब्री का ओवरबर्डन है। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र में प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता दृष्टिगोचर नही हुई।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथा सम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिगं दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ख) मार्ग के आरम्भ में प्रस्तावित टेक आफ प्वाइन्ट को बदल कर कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाया जाये। यदि यह सम्भव ना हो तो सावधानी के साथ समुचित परिकल्पना की रिटेनिंग दीवार का निर्माण करके मार्ग का निर्माण कराया जाये।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाये जाये। सम्भव हो तो बैण्ड्स के मध्य दूरी बढाई जाये।

(घ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(ड़) समरेखन में तीव्र पहाडी ढलान वाले भाग को यथासम्भव बचाते हुये सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये, जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

कार्य प्रति सत्यापित

[signature]

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय ख० लो०नि०वि०
लैन्सडौन (गढ़वाल)

(च) जहाँ मार्ग कटान की ऊचांई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग में मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(छ) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(ज) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नव निर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दु:–

(1) मार्ग कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाडी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाडी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

(2) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्ट्स सक्रिय हो सकते है तथा नई दरारें भी उत्पन्न हो सकती है, जिनके कारण विपरीत परिस्थितियों में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। अतः जहां आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाये।

5 देवियोखाल–डाबरीसैण–डाबरीपल्ली–मुगयाखाल मोटर मार्ग हेतु 4.00 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

(1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एंव खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाए।

(2) मुख्य अभियन्ता, स्तर–1, लो0नि0वि0, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गों के निर्माण एवं समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272/8(1)याता0–उ0/05 दि0 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जाये।

सहायक अभियन्ता
भारतीय ख० लो०नि०वि०
लैन्सडौन (गढ़वाल)

H. Kumar 15.1.13
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभि. स्तर–I
लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड
देहरादून